GOVT. DR. INDRAJEET SINGH COLLEGE AKALTARA

DIST. JANJGIR-CHAMPA (C.G.)

IQAC INITIATIVES

SN.	DATE	PROGRAM	THEME	ORGANIZING UNIT
1	6.5.2021	Online Slogan Competition	Awareness campaign against COVID-19	YRC
2	7.5.2021	Online Rangoli Competition	Awareness campaign against COVID-19	YRC
3	8.5.2021	National Webinar	Role of Immunity against Infectious Diseases	YRC
4	8.5.2021	Online National Workshop	Electronic Resources for Higher Studies: A Boom During Pandemic (Collaboration with Pt. Ravishankar Shukla University Raipur)	Library
5	11.5.2021	Online Poster Competition	Awareness campaign against COVID-19	YRC
6	22.5.2021	National Webinar	Awareness and Prevention of Black Fungus (Collaboration with Shri Rishabh Dev Vidyodaya Mahavidyalaya Banahil, Akaltara)	YRC
7	22.7.2021	Mask Distribution	Awareness campaign against COVID-19	NSS
8	21.9.2021	Volunteering at Vaccination Center	Promoting vaccination against COVID-19	NSS

Mask Distribution 22.7.2021

Volunteering at Vaccination Center 22.9.2021

National Online Workshop on Electronic Resources for Higher Studies: A Boom During Pandemic 8.5.2021

TheHitavada
Raipur City Line | 2021-05-19 | Page- 4
ehitavada.com

Electronic resources a boon in this pandemic period: Experts

Speakers from different background attending a webinar of PRSU.

■ Staff Reporter
RAIPUR, May 18

THE COVID-19 pandemic has changed everything. The latest resources of education have changed. Anyone, from anywhere, can access, share and download, from these resources, said he keynote speaker Ashok Kumar Rai from Gandhinagar, Gujarat while addressing a webinar organised by Pt Sundarlal Sharma Library and School of Studies in Information Science, Pt Ravishankar Shukla University (PRSU), Raipur on Tuesday. He further said that with one click, one can find desired book.

The Chief guest Professor Keshari Lal Verma, Vice-Chancellor, PRSU, said that the situation has made everyone to learn electronic resources, new technological facilities. Life depends on these resources 100 percent these days.

In his presiding speech, Dr Himanshu Shekhar Kar, Principal, Government MMR Postgraduate College, Champa welcomed all the guests and all the participants.

The educational institutions have been closed for almost one year. The whole country is bearing the brunt of the Corona. In this era of pandemic, electronic resources - made available through WhatsApp, Google Meet and YouTube have become a boon for students provided they utilise it properly, he said.

Chief Librarian Dr Suparno Sen Gupta spoke on various e-resources and available resources in Chhattisgarh. He said that today 40 million population in India does not have internet facility. 60% people of India live in villages and only 25 per cent of the villages has internet access. It is around 40 per cent in the cities. Today, there is a need to increase electronic resources in the villages as well as cities.

The keynote speaker of this webinar was introduced by Dr Praveen Sharma, Librarian, Government Nagarjuna Postgraduate Science College, Raipur and a vote of thanks was given by Professor (Dr) Harish Sahu.

Powered by Bharati Web Pvt Ltd

National Webinar on Awareness and Prevention against Black Fungus

22.5.2021

दैनिक भास्कर

जांजगीर-चांपा 24-05-2021

वेबीनार • महामारी का रूप लेती ब्लैक फंगस के प्रति जागरूकता और रोकथाम के लिए राष्ट्रीय स्तर का आयोजन

ब्लैक फंगस के प्रति लापरवाही न बरतें: डॉ.मढ़रिया

• विशेषज्ञ बोले: लक्षण दिखे तो कराएं तुरंत जांच

भास्कर न्यूज | अकलतरा

महामारी का रूप ले रही ब्लैक फंगस के प्रति लापरवाही न बरतें और जागरूकता रखें तो इस बीमारी से बचा जा सकता है। उक्त बातें रविवार को नगर के डॉ इंद्रजीत कॉलेज द्वारा आयोजित किए गए राष्ट्रीय के वेबिनार में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ एलसी मढ़रिया द्वारा कही गई।

उन्होंने बताया कि ब्लैक फंगस बीमारी की उत्पति, लक्षण तथा निवारण से संबंधित विस्तृत तथा उपयोगी जानकारी वेबिनार की माध्यम से दी।

बीमारी के बारे में बताते डॉ एलसी मढ़रिया ने कहा कि यह एक फंगल संक्रमण है, जो ऐसे व्यक्तियों में फैल सकता है जिसमें रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जैसे मुख्यत कोविड संक्रमित व्यक्ति, कोविड से ठीक हुए व्यक्ति शामिल हैं।

क्योंकि कोविड के कारण उनकी प्रतिरोधक क्षमता कुछ हद तक कम जो जाती है। यह संक्रमण हवा और पानी में मौजूद फंगस के कारण फैलता है, जिससे संक्रमित व्यक्ति के आंख, दांत, मुंह, नाक में गंभीर परिस्थिति बन जाती है। और अंत में यह मस्तिष्क तक पहुंच जाता है। जिससे व्यक्ति की मृत्यु तक हो जाती है। मस्तिष्क तक पहुंचने के कारण इस बीमारी में मृत्यु दर 50 से 55 प्रतिशत तक है।

डॉ मढ़रिया ने बताया कि इस बीमारी के फैलने की संभावना ऐसे व्यक्तियों में ज्यादा होती है जिनकी डायबिटीज कंट्रोल में नहीं रहती, भले ही ऐसे व्यक्तियों को कोरोना संक्रमण हुआ हो या न हुआ हो। ऐसे लोगों में भी इस बीमारी की संभावना बढ़ जाती है। कोरोना के इलाज के दौरान स्टेराइड की ज्यादा मात्रा दी गई हो या अधिक मात्रा में ऑक्सीजन दी गई हो वे बेहद संवेदनशील होते हैं। इसके अलावा अस्थमा के मरीज, फेफड़े की बीमारी से ग्रसित मरीज व ऐसे व्यक्ति जो ज्यादा मात्रा में एंटीबायोटिक लेते हैं वे सभी इस बीमारी के संक्रमण में आ सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन उपेन्द्र कुमार वर्मा, सहायक प्राध्यापक भौतिक शास्त्र द्वारा किया गया। आखिर में डॉ जेके जैन संरक्षक ऋषभ शिक्षण समिति के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में बहुत अधिक संख्या में शिक्षक, विद्यार्थियों तथा नागरिक जुड़े ब्लैक फंगस के प्रति जानकारी ली। उन्हें बीमारी के सभी लक्षण और इलाज का तरीका बताया गया।

ब्लैक फंगस में पहला वेबीनार इसलिए सभी के लिए महत्वपूर्ण: डॉ एलपी पटेरिया

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़ के कुलपति डॉ एलपी पटेरिया व विशिष्ट अतिथि कुलसचिव केके चंद्राकर व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डा एसके एक्का रहे। मुख्य अतिथि डॉ पटेरिया ने बताया कि इस विषय पर यह पहला वेबीनार है, और यह बीमारी अभी-अभी चर्चा में आई है,इसलिए शुरूआत में ही इसके प्रति जानकारी, इसके लक्षण, रोकथाम और इलाज की जानकारी होने पर इसके प्रसार को रोका जा सकता है। इसलिए यह वेबीनार स्टूडेंट्स व सभी वर्ग के लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

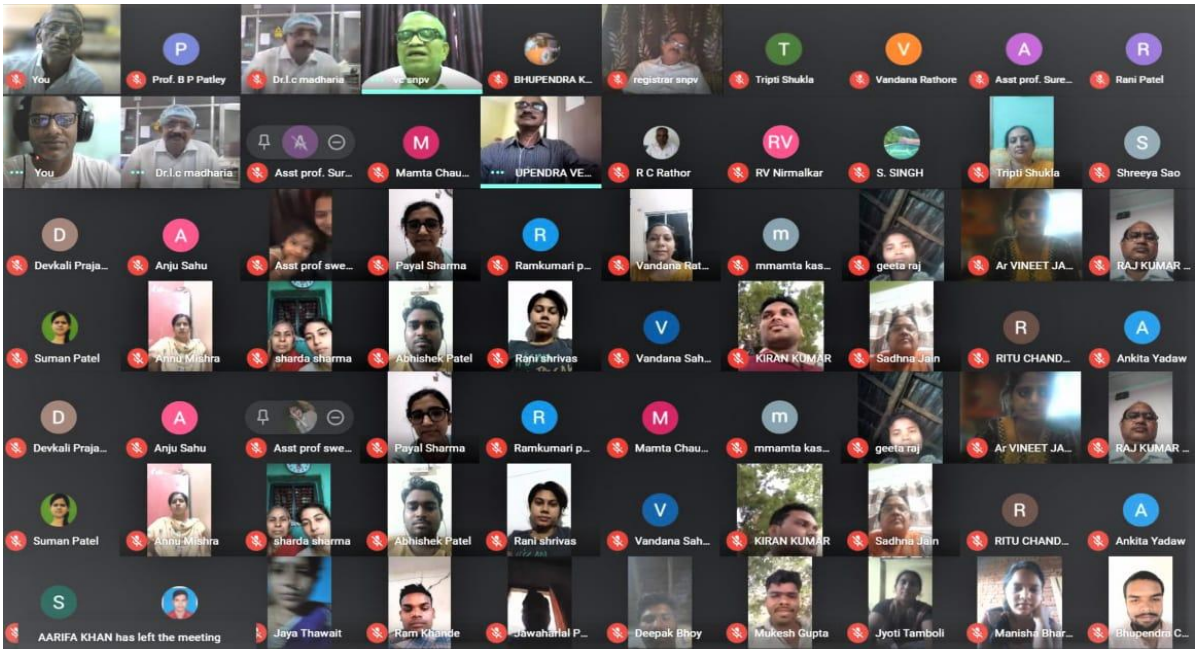

Online Rangoli Competition 7.5.2021

Online Poster Competition 11.5.2021